मासिक ई-समाचार पत्रिका
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

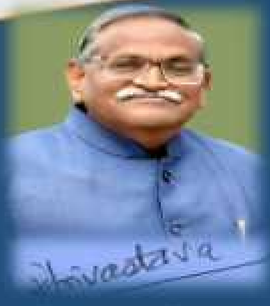

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

कुलपति महोदय का संदेश

मुझे यह बताते हुए अपार दुःख हो रहा है कि दिनांक 21-05-2022 की रात विश्वविद्यालय परिसर से बाहर एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें हमारे विश्वविद्यालय के एक छात्र का दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से निधन हो गया। इस हृदय विदारक घटना ने छात्रों और समस्त विश्वविद्यालय परिवार को झकझोर कर रख दिया। इस अनहोनी घटना का फायदा उठाकर कुछ शरारती और असामाजिक तत्वों ने विश्वविद्यालय परिसर में तोड़फोड़ की तथा विश्वविद्यालय मे उपलब्ध अनेकों सुविधाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया जिसके बाद विश्वविद्यालय को अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया। विश्वविद्यालय परिवार की ओर से मैं, मृतक छात्र के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना और शोक व्यक्त करते हुए पंचतत्व मे विलीन आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं । ईश्वर इस अपूरणीय क्षति से उबरने के लिए शोक संतप्त परिवार, उनके मित्रों, और सहपाठियों को सहन शक्ति प्रदान करें। अपने प्यारे छात्रों के हित में मैं, स्थिति के सामान्य होने और शिक्षण और शोध गतिविधियों को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद करता हूँ कि विश्वविद्यालय 14 जून 2022 के बाद से पूर्ण रूपेण खुल जाएगा ।

12वीं अनुसंधान समिति कि बैठक 2 से 5 मई 2022 के मध्य आयोजित की गई जिसमें वैज्ञानिकगणों ने विश्वविद्यालय में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया। जिसमे यह कि सभी अनुसंधान परियोजनाएं केंद्रित तथा किसनोपदेशी है।अंत मे मैं ईश्वर से सब के उत्तम स्वास्थ्य कि कामना करता हूँ ओर उम्मीद करता हूँ कि निकट भविष्य में स्थिति पूरी तरह से जल्द ही सामान्य हो जाएगी।

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 2-5 मई 2022 के दौरान विद्यापति सभागार, पूसा डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा की 12वीं अनुसंधान परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 09.05.2022 को डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा के शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 12.05.2022 को भुवनेश्वर में भा.कृ.अनु.प.-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान के 35वें स्थापना दिवस के अवसर पर"कृषि जल प्रबंधन अनुसंधान: चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 13.05.2022 को भा.कृ.अनु.प.-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान में फल विज्ञान एवं कृषि मौसम विज्ञान के विषय पर आयोजित मूल्यांकन समिति की बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 15.05.2022 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की टास्क फोर्स समिति की बैठक में वर्चुअल मोड में भाग लिया।
- दिनांक 16.05.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला पर दूरदर्शन केंद्र, पटना में साक्षात्कार में भाग लिया।
- दिनांक 19.05.2022 को शिक्षा में विजन 2047 के राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में वर्चुअल मोड से संबोधित किया।
- दिनांक 21.05.2022 को ईख अनुसन्धान केंद्र पूसा में गन्ना के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल का उद्घाटन किया।
- दिनांक 30.05.2022 को डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा की 13वीं शिक्षा परिषद बैठक की अध्यक्षता की।

खंड -3, अंक -6
जून, 2022

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :
*डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)*

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में दिनांक 07.05.2022 से 10.05.2022 तक चार दिवसीय वार्षिक अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली रहे तथा कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के खेल प्रभारी श्री रोशन कुमार राम, सहायक प्राध्यापक ने किया । इन आयोजनों में कुल 60 विद्यार्थियों ने अच्छे खेल-भावना के साथ भाग लिया। अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया ।
- दिनांक 31.05.2022 शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों की समीक्षा के लिए सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटल लैब में शिक्षक परिषद, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की मासिक बैठक महाविद्यालय के अधिष्ठाता की अध्यक्षता में आयोजित की गई । बैठक में सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे जिस में महाविद्यालय के समग्र विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी ।

अनुसन्धान गतिविधियाँ

- **12वीं अनुसंधान परिषद बैठक - 2022 (खरीफ)**

  12वीं अनुसंधान परिषद (खरीफ- 2022) की बैठक 2 मई से 5 मई 2022 तक डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा के विद्यापति सभागार में आयोजित की गई । कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया । 11 बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं और 17 भा.कृ.अनु.प.—अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं सहित कुल 39 शोध परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर हल्दी की एक किस्म और तीन अलग-अलग तकनीकों का प्रदर्शन किया गया । विभिन्न नई परियोजनाओं के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

- **कंद फसलों पर भा.कृ.अनु.प.—अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक**

  कंद फसल पर भा.कृ.अनु.प.—अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के वैज्ञानिकों ने दिनांक 11-13 मई, 2022 तक एन.ई.एच क्षेत्र, उमियाम के लिए भा.कृ.अनु.प अनुसंधान परिसर में आयोजित वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया । इस दौरान 'कंद फसलों पर मूल्य वर्धित उत्पादों' पर एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।.

- **मसाला समीक्षा की बैठक का आयोजन**

  दिनांक 20.05.2022 को मसालों पर भा.कृ.अनु.प.—अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के मुख्य अन्वेषक ने मसाला समीक्षा की वर्चुअल बैठक में भाग लिया। दिनांक 24.05.2022 को पटोरी, समस्तीपुर किसान चौपाल में हल्दी की वैज्ञानिक खेती के लाभों पर भी उक्त अन्वेषक द्वारा व्याख्यान दिया गया।

- **डीप फ्रीजिंग द्वारा फूलगोभी दही का परिरक्षण**

  पोस्ट हार्वेस्ट लैब, बागवानी विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में मानकीकृत डीप फ्रीजिंग तकनीक द्वारा फूलगोभी दही का परिरक्षण किया गया है। जिसमे, फूलगोभी को जब दही के साथ -20 डिग्री सेल्सियस तापमान पर संग्रहित किया गया तो उसकी सेल्फ लाइफ (ताजगी) लगभग 6 महीने तक बनी रही।

- **भिंडी की कटाई के लिए हस्त-उपकरण का प्रदर्शन**

  कृषि अभियंत्रण एवं तकनिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा भिंडी की कटाई के लिए विकसित एक हाथ का उपकरण को विश्वविद्यालय की अनुसंधान परिषद द्वारा अनुमोदित किये जाने के पश्चात माननीय कुलपति महोदय और निदेशक अनुसंधान को भेंट किया गया। उन्होंने उक्त उपकरणों की सराहना की और किसानों के बीच इस कटाई उपकरण के प्रसार का सुझाव दिया।

- **लेजर लैंड लेवलर का एफ.एल.डी**

  एफ.आई.एम पर भा.कृ.अनु.प.—अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत लेजर-लैंड-लेवलर को समस्तीपुर के चार अलग-अलग गांवों में 8.0 एकड़ भूमि पर प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शन के दौरान लगभग 100 किसानों ने भाग लिया तथा प्रदर्शित तकीनीकी में अपनी रूचि दिखाई।

- **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में स्वदेशी कछुआ की विविधता का दस्तावेजीकरण**

  सुश्री कुसुम कुमारी, बी.एस.सी. जूलॉजी, सी.एम. साइंस कॉलेज (एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय), दरभंगा, बिहार –की छात्रा मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में इंस्पायर स्कॉलर के रूप में कार्यरत हैं। सुश्री कुसुम कुमारी, बूढ़ी गंडक और कमला नदियों में 'हैबिटेट इकोलॉजी एंड डाइवर्सिटी ऑफ टोरटोइज़' शीर्षक पर 8 सप्ताह के परियोजना के अंतर्गत डॉ. एच.एस. मोगालेकर श्री रोशन कुमार राम, सहायक प्रोफेसर, के देख-रेख में कार्यरत है।

कछुओं की विभिन्न प्रजातियां एकत्र की गई

प्रसार गतिविधियाँ

- **कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत, मधुबनी-द्वितीय, में विश्व मधुमक्खी दिवस 2022 का आयोजन –**

दिनांक 20 मई 2022 को विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर के थीम "बी एंगेज्ड: सेलिब्रेटिंग द डाइवर्सिटी ऑफ़ बीज़ एंड बीकीपिंग सिस्टम्स" पर कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत, मधुबनी-द्वितीय, में विश्व मधुमक्खी दिवस का आयोजन किया गया । इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार, जिला कृषि अधिकारी, मधुबनी रहे जिन्होंने अल्बर्ट आइंस्टीन के एक प्रसिद्ध उद्धरण " पृथ्वी की सतह सेअगर मधुमक्खी गायब हो जाए तो मनुष्य के पास जीने के लिए केवल चार साल होंगे"के साथ अपने संबोधन की शुरुआत किया । श्री अशोक कुमार ने जिले में शहद प्रसंस्करण के कार्य और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

- **दिनांक 20/05/2022 को भारतीपुर ग्राम सकरा** प्रखंड में कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने हरे चने के किस्म आईपीएम 205-07 (विराट) पर फील्ड डे सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया जिसमे श्री शिलाजीत सिंह जिला कृषि पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए । इस कार्यक्रम में 71 से अधिक किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया।.

- **कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर में किसान गोष्ठी सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन**

दिनांक 21 मई, 2022 को ग्राम हाथीसर, शिवहर में आगामी खरीफ मौसम की फसलों पर किसान गोष्ठी सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । पैंतालिस किसानों और तीन एस.एम.एस ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा खरीफ मौसम की फसलों से संबंधित समस्याओं को हल करने का प्रयास किया । इस कार्यक्रम में धान की बेहतर खेती और प्रबंधन के लिए नर्सरी की तैयारी और रोपाई में आवश्यक सावधानियां का भी सुझाव दिया गया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर, में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन**

दिनांक 22/05/2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का उद्घाटन और ग्रामीण तकनीकी विकास प्रतिभा केंद्र का शिलान्यास माननीय उप-मुख्यमंत्री, बिहार, श्रीमती रेणु देवी एवं माननीय सांसद डॉ. संजय जायसवाल जी द्वारा किया गया । नवनिर्मित भवन में किसानों के लिए 11 कमरे, ट्रेनिंग हॉल और लाइब्रेरी सहित अन्य बेहतर सुवधाएं उपलब्ध कराई गई है।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने खरीफ महाअभियान का आयोजन किया**

कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की द्वारा दिनांक 26/5/2022 को कृषि विभाग मझोलिया स्थान मुजफ्फरपुर में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत खरीफ महाअभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस आयोजन में 433 किसान और कृषक महिलाओं ने भाग लिया। इस खरीफ महाअभियान 2022 में मुख्य अतिथि श्री प्रणव कुमार जिला कलेक्टर, श्री शिलाजीत सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी, श्री राम प्रकाश साहनी, कनीय जिला कृषि पदाधिकारी, डॉ. एन.के. सिंह सहायक निदेशक अनुसन्धान, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा, और डॉ एम.एल. मीना वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने किसानों को संबोधित किया तथा चावल की खेती में जैविक खेती और सीधी बीज़ बुवाई के प्रयोगों और भारतीय अर्थव्यवस्था में इसके महत्व पर प्रकाश डाला।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर द्वारा द्वारा खरीफ महाअभियान की शुरूआत**

दिनांक 26 मई, 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर तथा कृषि विभाग, शिवहर जिला स्तर खरीफ़ महा अभियान की शुरुआत किया गया पर जहां इस कृषि विज्ञान केंद्र के दो विषय वस्तु विशेषज्ञों ने भाग लिया और बीएओ, एटीएम, बीटीएम जैसे विभिन्न विस्तार कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम में खरीफ मौसम की फसलों की खेती एवं उनके उचित प्रबंधन के संबंध में समन्वयक एवं किसान सलाहकरों को भी प्रशिक्षित किया गया । शिवहर में 27 मई को एक अन्य प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम, में दो एस.एम.एस ने भाग लिया और धान फसल उत्पादन के लिए विभिन्न सरकारी पहल और कार्यक्रमों पर किसानों को जागरूक किया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, हरिहरपुर, वैशाली द्वारा पी.एम किसान सम्मान कार्क्रम में भाग लिया गया**

दिनांक 31.05.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, हरिहरपुर, वैशाली द्वारा शिमला से सीधे प्रसारित पीएम सम्मान निधि और गरीब कल्याण सम्मेलन मे 89 किसानों की भागीदारी सुनिश्चित की गई । माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा वर्चुअल मोड में लाभार्थियों के साथ सीधे बातचीत की।

- **डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा ने राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया**

दिनांक 2 मई 2022 को NASC परिसर, नई दिल्ली में डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. पी. के. प्रणव ने 'किसान ड्रोन का प्रचार: मुद्दे, चुनौतियाँ और आगे की राह' विषय पर कृषि मंत्रालय और किसान कल्याण, भारत सरकार, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

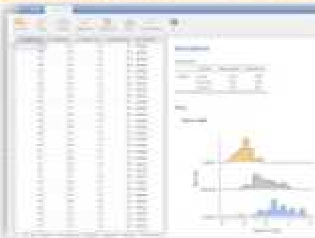

- **गुप्तनाथ त्रिवेदी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष** ने दिनांक 11 से 13 मई, 2022 के दौरान "जमोवी (एक मुक्त, खुला स्रोत और मेनू संचालित आर प्रोग्रामिंग आधारित सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर) का उपयोग कर खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण" विषय पर इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- **डॉ. एस.के. पटेल ने 16-17 मई, 2022** के दौरान चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्राद्यौगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित "भारतीय कृषि के संदर्भ में जैविक और प्राकृतिक खेती" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया साथ हीं "प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पुरस्कार - 2022" भी प्राप्त किया ।
- **डॉ. अंकुर जामवाल, सहायक प्रोफेसर, एक्काकल्चर विभाग**, ने दिनांक 19-20 मई, 2022 के दौरान मत्स्य पालन महाविद्यालय, जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर द्वारा आयोजित "मत्स्य पालन और जलीय कृषि में समसामयिक मुद्दे" विषय पर "राष्ट्रीय संगोष्ठी" में भाग लिया और एस.एल.एस वरिष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार भी प्राप्त किया ।

- **आई.एस.ए.ई - बिहार चैप्टर व्याख्यान का आयोजन**

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के रूप में आई.एस.ए.ई- बिहार चैप्टर ने दिनांक 21-05-2022 को ऑनलाइन मोड में वेबिनार श्रृंखला में अपना पहला व्याख्यान आयोजित किया। जिसमे आई.एस.ए.ई बिहार के कार्यकारी सदस्यों सहित कृषि अभियंत्रण एवं तकनिकी महाविद्यालय, पूसा के संकाय सदस्यों और बिहार सरकार के अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया । कार्यक्रम में दो वक्ताओं, श्री आर.एस. सिंह, सी.एम.डी और संस्थापक, कृषि ऑर्गेनिक्स, गुरुग्राम ने 'ड्रोन प्रौद्योगिकी' पर व्याख्यान दिया जबकि डॉ राजीव चौधरी, निदेशक, (एग्रील. इंजी.) मध्य प्रदेश सरकार ने सतत कृषि में इंजीनियरिंग की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया।

वैज्ञानिक हिंदी अनुवाद - गुप्तनाथ त्रिवेदी एवं डॉ. राकेश मणि शर्मा